



पंचम दिन

मां स्कंदमाता

मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय की माता हैं। वे अपने पुत्र को गोद में धारण करती हैं और कमल पर विराजमान रहती हैं। उनकी पूजा मातृत्व, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का संदेश देती है। भक्त संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और जीवन में शांति के लिए उनकी आराधना करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब सरकार ने आरोपी के घर पर चलवाया बुलडोजर

मानसा (एजेंसी)।पंजाब के मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आरोपी अश्विनी कुमार की गिरफ्तारी के बाद भी इलाके में आक्रोश बना हुआ है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने आरोपी की मोडिकल शॉप में तोड़फोड़ करने के बाद आग लगा दी। वहीं, प्रशासन ने आरोपी के घर पर कथित अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की। घटनाक्रम के बीच इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

आरोपी की गिरफ्तारी की खबर के बाद स्थानीय लोगों और विधिवत सिख संगठनों में नाराजगी देखने को मिली। बुधवार सुबह मेडिकल शॉप के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। प्रदर्शन के दौरान दुकान को नुकसान पहुंचाया गया और बाद में उसमें आग लगा दी गई। हालात बिगड़ने की आशंका के बीच पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दीवाली बोनस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सीमागत दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, आज कैबिनेट ने

तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 के लिए बोनस को मंजूरी दी है।

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को फांसी की सजा

● प्रेमी साहिल को भी सजा-ए-मौत, मेरठ कोर्ट का बड़ा फैसला



मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल

प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से करेंगे बातचीत

पीएम से आज मिलेगा एशियाड का भारतीय दल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और



सहयोगी स्टाफ से बातचीत करेंगे। जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में शाम करीब 4.30 बजे आयोजित होगा।

भारत ने 85 पदकों के साथ हासिल किया चौथा स्थान

आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारत ने कुल 85 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में शीर्ष पांच देशों में शामिल रहा। हालांकि, इस बार भारतीय दल का प्रदर्शन पदकों की संख्या के लिहाज से पिछले संस्करण से पीछे रहा।

दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान

पीएम मोदी बोले-प्राचीन धरोहरों की वापसी के प्रयास तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात ‘बृहत्तर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध’ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी सहेजने के प्रयास कर रही है। इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है।



यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए राहुल, पुलिस पर लगाए आरोप

● युवक ने कहा-गुड़ों के कहने पर हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह भारत की आवाज के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी एनएसयूआई के कुछ कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। इन सभी को दिल्ली में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पीटे जाने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अपने चारों ओर देखिए। यह भारत है। अमित शाह जी, इसे ध्यान से देखिए, यहां कोई हिंदू, कोई मुसलमान, कोई जाति, कोई महिला या कुछ और नहीं है।



वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और सबूत हमें भेजें: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मेरी सलाह है, इस आवाज के खिलाफ खड़े ना हों। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं टिक सकता। मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वे वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब यह पूरा मामला खत्म हो जाएगा, तो हम उन सभी सबूतों का इस्तेमाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों को सजा मिलनी चाहिए, उन्हें सजा मिले- चाहे वह पीएम नरेंद्र मोदी हों, ज्ञानेश कुमार हों, अमित शाह हों या फिर वे कॉन्स्टेबल ही क्यों न हों जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहा है।

बिहार में मौत का ऐसा मंजर कि रो पड़ीं डीएम

● एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच, मची चीत्कार



का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर के एक बच्चे की भी जान चली गई। एक साथ

इतनी अर्थियां उठने से रामपुर श्यामचंद गांव में मातम छा गया है। जिन घरों में कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहां अब अपनों को खोने का गम है। पूरे गांव में चीख-पुकार मची हुई है और शोक के कारण घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं।

भोज खाने जा रहे थे करीब 20 लोग, बीच ढाब में पलटी जर्जर नाव- बताया जाता है कि रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिंघेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन किया गया था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के उस पार भोज खाने जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच ढाब में पहुंची, ओवरलॉड होने और जर्जर स्थिति के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। देखते ही देखते नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर श्यामचंद पंचायत और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

100 साल के होते ही वकील पीबी मेनन को तोहफा

● हाईकोर्ट ने बनाया ‘सीनियर एडवोकेट’, पीएम ने दी बधाई

वकालत में है विश्व रिकॉर्ड, मेनन ने कहा-नो रिटायरमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने अनुभवी वकील 100 साल के पी बालासुब्रमण्यन मेनन को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया है। मेनन के नाम एक प्रैक्टिसिंग वकील के तौर पर सबसे लंबे करियर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्हें यह सम्मान उनके 10 अक्टूबर को 100वें जन्मदिन से ठीक एक दिन बाद मिला है। हाईकोर्ट ने सोमवार यानी 11 अक्टूबर को पीबी मेनन को 12 अक्टूबर से सीनियर एडवोकेट के तौर पर नियुक्त किया। 2023 में, 97 साल की उम्र में मेनन ने सबसे लंबे समय तक वकालत करने वाले वकील के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 100वें बर्थडे पर बधाई संदेश भेजा है।



● 100 साल के पीबी मेनन की लाइफ में रिटायरमेंट नहीं- द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीबी मेनन की जिंदगी में रिटायरमेंट या रिटायर होने जैसी कोई चीज नहीं है। 100 साल की उम्र में भी पलक्कड़ के यह वकील हाथ में कैस की फाइल लेकर कोर्ट जाते हैं। उन्होंने पहली बार काला कोट लगभग आठ दशक पहले पहना था। उनके लिए वकालत का काम सिर्फ एक करियर नहीं है जो अब खत्म हो चुका है, बल्कि यह एक ऐसा काम है जो उनकी जिंदगी को मकसद देता है।

देश में थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर, फुटकर महंगाई में भी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39 फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92 फीसदी थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैनुफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 फीसदी थी। थोक महंगाई दर 11.39 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस इयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को जीडीपी का नया बेस इयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है। सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई।



तिहाड़ के बैरक नं-4 में आशुतोष रांका, 2 में सौरव अजिंक्य शिंदे बॉन्ड पर रिह, सीजेपी

प्रोटेस्ट में जारी है संग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही, अजिंक्य शिंदे को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। बताया जा रहा है कि तिहाड़ जेल के बैरक नंबर में आशुतोष रांका को रखा गया है जबकि सौरव दास को बैरक नंबर दो की जेल में रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले को सुनवाई करते हुए सौरभ और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीजेपी के कानूनी मामलों के प्रमुख रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि सौरव और आशुतोष को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अजिंक्य को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। इसके साथ ही, रत्ना सिंह ने सरकार को कायर बताया।



किसानों को दीवाली पर 5000 रुपए देगी फड़नवीस सरकार

महाराष्ट्र में पानी का संकट, 305 तालुकाओं में सूखा घोषित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र 305 तालुकाओं में सूखा घोषित किया गया है। इससे पहले 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बुधवार को घोषणा की राज्य सरकार ने किसानों को दीवाली पर 5000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। यह राशि त्योहार से पहले किसानों के बैंक खातों में जमा कराई जाएगी। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए फड़नवीस ने कहा कि सूखे के कारण फसल का नुकसान झेल रहे और अधिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इस बार पिछले वर्षों के मुकाबले राहत देने की प्रक्रिया भी तेज की गई है। फड़नवीस ने कहा, पहले 265 तालुकाओं में सूखा घोषित किया गया था। आज हमने कुल 305 तालुकाओं में सूखा घोषित किया है। हमने पुराने रिकॉर्ड की जांच की है। आमतौर पर किसानों को दिसंबर में मदद दी जाती है लेकिन इस बार हमने समय से पहले सूखा घोषित कर दिया है।

दीवाली की जरूरतों के लिए 5000 रुपए

मुख्यमंत्री ने कहा, इस दीवाली किसानों के लिए मुश्किल होने वाली है। उनके लिए त्योहार के दौरान खर्च संभालना कठिन होगा। इस स्थिति को देखते हुए हमने चर्चा की और आने वाले दिनों में किसानों को सहायता देने का फैसला किया। हमने दीवाली बोनस के तौर पर किसानों को 5000 रुपये देने का निर्णय लिया है।



संक्षिप्त समाचार

पलामूमें एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पकड़ा गया फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र

पलामू, एजेंसी। जिला के हरिहरगंज में एसआईआर के प्रक्रिया के दौरान फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र पकड़ा गया है। पूरे मामले में प्रजा केंद्र संचालक के खिलाफ हरिहरगंज थाना में प्राथमिक की दर्ज करवाई गयी है जबकि पुलिस ने पूरे मामले में छानबीन शुरू कर दी है।

हरिहरगंज थाना क्षेत्र के एकौनी गांव की रहने वाली विद्यापति देवी ने 25 सितंबर को एसआईआर के प्रक्रिया के दौरान आवासीय प्रमाण पत्र जमा किया था। आवासीय प्रमाण पत्र की हरिहरगंज अंचल कार्यालय के द्वारा जांच की गयी तो चौकाने वाली जानकारी सामने आई, जिस आवासीय प्रमाण पत्र को विद्यापति देवी ने जमा किया, वह प्रमाण पत्र अंचल कार्यालय से जारी ही नहीं हुआ था। जिस नंबर का आवास प्रमाण पत्र बनाया गया था वह नंबर अंचल निरीक्षक के लॉगिन में लंबित था।

पूरे मामले में प्रशासनिक टीम ने विद्यापति देवी से पुछताछ की गयी। जिसके बाद ये बात सामने आई कि प्रजा केंद्र से प्रमाण पत्र को बनवाया गया था। विद्यापति देवी ने प्रशासनिक अधिकारी टीम को बताया कि प्रजा केंद्र संचालक अब्दुल सलाम ने उसे आवासीय प्रमाण पत्र दिया था।

हरिहरगंज थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि अंचल अधिकारी के आवेदन के आधार पर प्रजा केंद्र संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है और पूरे मामले में छानबीन शुरू की गई है। एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान फर्जी प्रमाण पत्र पकड़ा गया था। दरअसल कुछ दिनों पहले भी हरिहरगंज में एसआईआर के प्रक्रिया के दौरान एक फर्जी आवास प्रमाण पत्र पकड़ा गया था।

दुमका में नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन, स्टूडेंट्स ने निकाला कैंडल मार्च

दुमका, एजेंसी। जिला के काठीकुंड थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व एक नाबालिग आदिवासी छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या कर दी थी। मामले में आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर लोगों में उबाल है। खास तौर पर छात्र-छात्राओं में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। इसे लेकर सोमवार की शाम कैंडल मार्च निकाल कर मृतका को श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की गई।

इस मामले में सोमवार को अलग-अलग छात्र और सामाजिक संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। झारखंड छात्र सभा और झारखंड छात्र समन्वय समिति के बैनर तले देर शाम कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि दी गई। छात्र समन्वय समिति ने इसे लेकर हेमंत सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। समिति के अध्यक्ष श्यामदेव हेंब्रम ने कहा कि आज सत्तारूढ़ दल के कोई भी विधायक या सांसद इसके खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं।

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक, योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

दुमका। जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में सेविका चयन प्रक्रिया, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषाहार, बच्चों का पोषण ट्रेकर पर शत-प्रतिशत पंजीकरण और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने, लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन, दैनिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने और नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों को जल्द क्रियाशील करने का निर्देश दिया गया।

देवघर के रोहिणी में अनूठी परंपरा, बिना चंदे के होती है मां दुर्गा की पूजा

देवघर, एजेंसी। पूरे देश में शारदीय दुर्गा पूजा की शुरुआत हो चुकी है। मां दुर्गा की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। देवघर में भी जगह-जगह भव्य पूजा पंडालों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन कर सकें और पूजा उत्सव का आनंद उठा सकें। आमतौर पर पूजा समितियां मोहल्ले और समाज के लोगों से चंदा इकट्ठा कर पंडाल, प्रतिमा और सजावट की व्यवस्था करती हैं। लेकिन देवघर के रोहिणी में दुर्गा पूजा की एक ऐसी परंपरा है, जहां स्थानीय लोगों से चंदा लिए बिना सदियों से मां दुर्गा की आराधना की जा रही है।

दरअसल, रोहिणी स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में पूजा का आयोजन रोहिणी स्टेट परिवार के सहयोग से किया जाता है। इस मंदिर की पहचान केवल इसकी प्राचीनता तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की धार्मिक मान्यताएं और

तांत्रिक विधि से होने वाली पूजा भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि इस स्थान के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। मान्यता है कि यहां मां की आराधना करने से मन को शांति मिलती है और परिवार में सुख-समृद्धि का एहसास होता है।

मंदिर के पुजारी के अनुसार, अंग्रेजों के शासनकाल में मिट्टी की प्रतिमाओं की पूजा को लेकर विरोध किया जाता था। उस समय मंदिर के तत्कालीन पुजारी चक्रधर चक्रवर्ती ने अंग्रेज अधिकारियों को बताया था कि इस मंदिर से लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है और यहां सदियों से प्रतिमा पूजन की परंपरा चली आ रही है। इसके बावजूद अंग्रेज अधिकारियों ने मंदिर बंद करने का आदेश दे दिया।



पुजारी के मुताबिक, मंदिर बंद करने के आदेश के बाद प्रतिमा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर दिखाई देना अंग्रेज अधिकारियों के लिए आश्चर्य का विषय बन गया। इस घटना

रोहिणी स्टेट परिवार के सदस्य संजीव देव बताते हैं कि मंदिर में बाहरी आडंबर और सजावट की अपेक्षा तांत्रिक विधि से होने वाली पूजा को अधिक महत्व दिया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षों से यहां हाट-बाजार का संचालन होता आ रहा है और इससे होने वाली आमदनी मंदिर की पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों में खर्च की जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाट-बाजार में कारोबार करने वाले व्यापारी और दुकानदार किराए के रूप में जो राशि देते हैं, उसका उपयोग मंदिर के कल्याण और दुर्गा पूजा की व्यवस्थाओं में किया जाता है। रोहिणी स्टेट परिवार इस आमदनी को अपने पास रखने के बजाय मंदिर की परंपराओं और धार्मिक आयोजनों के लिए समर्पित करता है। यही वजह है कि वर्षों से यहां स्थानीय लोगों से चंदा इकट्ठा करने की परंपरा नहीं रही है।

एक ओर जहां शहर के कई पूजा पंडालों को भव्य रूप देने और आकर्षक सजावट के लिए लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, वहीं रोहिणी के इस प्राचीन दुर्गा मंदिर में पूजा की पारंपरिक विधियों और धार्मिक अनुष्ठानों को प्राथमिकता दी जाती है। मंदिर में प्रसाद, पूजा सामग्री, बलि और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था पर बड़ी राशि खर्च की जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और वर्षों से चली आ रही परंपरा आज भी कायम है। बिना सार्वजनिक चंदा संग्रह के पूजा का आयोजन होना इस मंदिर को अन्य पूजा स्थलों से अलग पहचान देता है। कुल मिलाकर, देवघर के रोहिणी स्थित इस प्राचीन दुर्गा मंदिर में दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि परंपरा, आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

संक्षिप्त

समाचार

रांची में महिला को कुएं से पानी भरने से रोका, जातिसूचक गाली और प्रताड़ित करने का आरोप

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में कुएं से पानी लेने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है. सेक्टर-2 पंप हाउस के पास रहने वाली मंजू चौधरी ने अपने पड़ोसियों पर कुएं से पानी लेने से रोकने, जाति को लेकर अपमानित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है. महिला को शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी लागू गई हैं.

एफआईआर के मुताबिक, मंजू चौधरी का अपने पड़ोस में रहने वाले लोगों के साथ विवाद चल रहा था. महिला ने आरोप लगाया है कि उन्हें कुएं से पानी लेने को लेकर परेशान किया जाता था. पानी लेने से रोकने के साथ गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने की भी शिकायत की गई है.

महिला का आरोप है कि जब उन्होंने इस व्यवहार का विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई. शिकायत में घर के बाहर कपड़े सुखाने जैसी बातों को लेकर भी विवाद होने का जिक्र है. महिला ने आरोप लगाया है कि छोटी-छोटी बातों पर उन्हें अपमानित किया जाता था और धमकी दी जाती थी. महिला का आरोप है कि उन्हें छोटी जात का कहकर अपमानित किया जाता था.

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 23 जुलाई 2026 को शाम करीब छह बजे विवाद हुआ था. इसके बाद 26 जुलाई को भी मारपीट और गाली-गलौज किए जाने का आरोप लगाया गया है. महिला ने 10 अक्टूबर को दोपहर करीब तीन बजे फिर से विवाद होने और मारपीट किए जाने की शिकायत की है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इस दौरान उन्हें जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई.

प्राथमिकी में उपेंद्र यादव, अमरेंद्र कुमार, रेमा देवी, आदित्य और अमन उर्फ अशु के नाम शामिल हैं. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 351(2), 352 और 3(5) के साथ एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. मामले की जांच सब-इंस्पेक्टर अजीव कुमार रंजन को सौंपी गई है. पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों और विवाद की पृष्ठभूमि की जांच कर रही है.

जेपीएससी गड़बड़ी मामले में पलामू में सीआईडी की कार्रवाई, शिक्षक के घर चिपकाया इस्तेहार

पलामू, एजेंसी। झारखंड लोक सेवा आयोग और जेएसएससी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के मामले में सीआईडी और पलामू पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. गड़बड़ी के आरोपी शिक्षक संतोष कुमार सिंह के घर पर सीआईडी और पलामू पुलिस की टीम ने छापेमारी की और इस्तेहार चिपकाया है.

दरअसल संतोष कुमार सिंह मूल रूप से पलामू के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र का रहने वाला है और फिलहाल मेदिनीनगर के हमीदगंज के इलाके में बीएन कॉलेज के इलाके में रह रहा था. सीआईडी की टीम ने सबसे पहले तीन अगस्त को संतोष कुमार सिंह के घर पर छापेमारी की थी और फिर 12 अगस्त को दूसरी बार छापेमारी की. सीआईडी और पलामू पुलिस की टीम संतोष कुमार सिंह की गिरफ्तारी के लिए तीन से अधिक बार छापेमारी कर चुकी है लेकिन वह फरार है.

सीआईडी की टीम एक बार फिर से पलामू पहुंची और जिला पुलिस के सहयोग से संतोष कुमार सिंह के घर पर इस्तेहार चिपकाया गया. संतोष कुमार सिंह शिक्षक है और वह लगातार फरार चल रहा है.

छापेमारी के दौरान संतोष कुमार सिंह के घर से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और जेएसएससी सीजीएल से जुड़े हुए दस्तावेज बरामद हुए थे. मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिपाल रजवार ने बताया कि सीआईडी की टीम ने इस्तेहार चिपकाया है और पूरे मामले में कार्रवाई की जा रही है.

दो महीने की मासूम ‘निधि’ को चाहिए मां की गोद, 60 दिनों में सामने नहीं आए माता-पिता तो हमेशा के लिए बदल जाएगी बच्ची की जिंदगी

रांची, एजेंसी। दुनिया में आखें खोलने के बाद किसी बच्चे की सबसे पहली पहचान उसकी मां की गोद होती है. वह गोद, जहां भूख लगने पर दूध मिलता है, रोने पर थपकी और डर लगने पर सुकून. पिता की उंगली थामकर चलना सीखने से पहले ही बच्चे का एक रिश्ता अपने परिवार से जुड़ जाता है. लेकिन रांची की महज दो महीने की एक मासूम बच्ची की कहानी कुछ अलग है. उसे न अपनी मां का नाम मालूम है, न पिता की पहचान. उसके पास न कोई पारिवारिक पता है और न ऐसा कोई अपना, जिसे वह अपना कह सके. सरकारी कागजों में उसकी पहचान तलाशने की कोशिश हो रही है और फिलहाल उसे ‘निधि’ नाम दिया गया है.

रांची समाहरणालय स्थित सामाजिक सुरक्षा कोषांग और जिला बाल संरक्षण इकाई ने इस बच्ची (निधि) के जैविक माता-पिता की

तलाश के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की है. प्रशासन की कोशिश है कि यदि बच्ची के माता-पिता या परिवार का कोई सदस्य उसकी तलाश कर रहा हो, तो वह सामने आए. संभव है कि किसी मजबूरी, विपरीत परिस्थिति या ऐसे हालात में बच्ची परिवार से अलग हुई हो, जिनकी जानकारी अभी प्रशासन को नहीं है.

फिलहाल बच्ची को बाल कल्याण समिति, रांची के निर्देश पर करुणा एनएमओ शेल्टर होम में सुरक्षित रखा गया है. वहां उसकी देखभाल की जा रही है. लेकिन सरकारी संरक्षण और परिवार के स्नेह के बीच का अंतर कोई कागजी प्रक्रिया पूरा नहीं कर सकती. बच्ची की जरूरतों का ख्याल रखा जा सकता है, मगर उसके माता-पिता की पहचान का सवाल तब तक बना रहेगा, जब तक परिवार के बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं



आती. प्रशासन ने बच्ची को फिलहाल एक काल्पनिक नाम ‘निधि’ दिया है. यह नाम उसकी स्थायी पहचान नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसके जरिए उसे संरक्षण और देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है. निधि की कहानी में सबसे भावुक पहलू यही है कि उसकी पहचान के लिए दूसरे लोगों को दस्तावेज तलाशने पड़ रहे हैं. सामान्य तौर पर बच्चे का नाम,

किसी के पास मौजूद एक छोटी-सी जानकारी भी बच्ची के परिवार तक पहुंचने का रास्ता खोल सकती है. जिला बाल संरक्षण इकाई और सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने नियमानुसार स्थानीय और राज्य स्तर पर सूचना जारी कर बच्ची के माता-पिता या वैध कानूनी अभिभावक से सामने आने की अपील की है. सीडब्ल्यूसी की सदस्य अंसुमाला के अनुसार, सूचना जारी होने के बाद 60 दिनों यानी दो महीने के भीतर यदि बच्ची के जैविक माता-पिता या कोई वैध कानूनी अभिभावक सामने नहीं आता है, तो दत्तक ग्रहण संबंधी निर्धारित नियमों के तहत आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसके बाद बच्ची को कानूनी रूप से दत्तक ग्रहण के लिए उपलब्ध घोषित किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है.

हालांकि, यह प्रक्रिया अपने आप

पूरी नहीं हो जाती. इसके लिए निर्धारित जांच, आवश्यक औपचारिकताएं और सक्षम प्राधिकार की प्रक्रिया का पालन जरूरी है. इसके बाद ही बच्ची को ऐसे परिवार तक पहुंचाने का रास्ता खुलेगा, जो उसे अपनेपन, सुरक्षा और स्नेह के साथ जीवन दे सके. मतलब साफ है कि आने वाले दो महीने बच्ची की जिंदगी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं. इस दौरान परिवार से जुड़ी कोई विश्वसनीय जानकारी मिलती है, तो उसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है. यदि कोई सामने नहीं आता, तो उसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कानून के मुताबिक अगला कदम उठाया जाएगा.

फिलहाल ‘निधि’ एक नाम है, एक मासूम जिंदगी है और उसके परिवार की तलाश में जारी एक सार्वजनिक अपील है.

गुमला में ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को रौंदा, मौके पर मौत, 24 घंटे में 3 लोगों की गई जान



गुमला, एजेंसी। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के नवडीहा पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया. मृतकों की पहचान घाघरा निवासी राज लोहरा और टांगर सिकवार निवासी दुर्गेश ठाकुर के रूप में हुई है.

ग्रामीणों के अनुसार, दोनों युवक स्कूटी से घाघरा से नवडीहा की तरफ जा रहे थे. इसी दौरान पेट्रोल पंप के समीप मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया.

घटना की सूचना मिलते ही घाघरा थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. वहीं, पुलिस फरार वाहन चालक की पहचान में जुट गई है.

हादसे के बाद ग्रामीणों ने आशंका जताई कि दुर्घटना को अंजाम देने वाला वाहन बॉक्सइट ट्रक हो सकता है. ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में इन दिनों बॉक्सइट ट्रकों का परिचालन काफी तेज रफ्तार से हो रहा है, जिससे सड़क हादसा का खतरा बढ़ गया है. ग्रामीणों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों की कुछ महीने बाद शादी होनी थी. 24 अक्टूबर को दुर्गेश ठाकुर का तिलक होना था. इस बीच उनकी मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया है.

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले दो दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में तीन युवकों की मौत हो चुकी है. लगातार हो रहे हादसों को लेकर लोगों में चिंता और आक्रोश है. ग्रामीणों ने प्रशासन से दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है.

ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस द्वारा केवल दोपहिया वाहन चालकों की हेलमेट जांच करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी नहीं आएगी.

नवरात्र में नौ दिनों तक राममय रहता है चुटिया का 350 साल पुराना मंदिर, 1970 से कन्याएं कर रहीं रामायण पाठ

रांची, एजेंसी। शारदीय नवरात्र यानी मां दुर्गा की आराधना के नौ दिन, देशभर में इन दिनों देवी उपासना की अलग-अलग परंपराएं देखने को मिलती हैं. लेकिन झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में नवरात्र का स्वर कुछ अलग है. यहां नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना के साथ रामायण की चौपाइयां गुंजती हैं. कुंवारी कन्याएं सामूहिक रूप से रामायण का सस्वर पाठ करती हैं और इसी के साथ करीब पांच दशक से अधिक पुरानी धार्मिक परंपरा आगे बढ़ती है.

वर्ष 1970 से चली आ रही रामायण नवाह परायण महायज्ञ की यह परंपरा मंदिर को नवरात्र के दौरान विशेष पहचान देती है. चुटिया का यह मंदिर केवल पूजा-पाठ का स्थल नहीं, बल्कि रांची के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अतीत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है. पथरों से निर्मित दो मंजिला मंदिर की प्राचीन वास्तुकला, इसे शहर के दूसरे धार्मिक स्थलों से अलग



पहचान देती है. नागवंशी राजाओं के काल से जुड़े इस मंदिर के इतिहास और यहां की परंपराओं के कारण शारदीय नवरात्र के दौरान इसकी महत्ता और बढ़ जाती है.

शारदीय नवरात्र के दौरान मंदिर में आयोजित होने वाला रामायण नवाह परायण महायज्ञ यहां की प्रमुख परंपराओं में शामिल है. इसमें कुंवारी कन्याएं एक साथ बैठकर रामायण का पाठ करती हैं. नौ दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान में रामकथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और जीवन मूल्यों

को याद किया जाता है. सामूहिक पाठ के दौरान मंदिर का वातावरण भक्तिमय हो जाता है. इस परंपरा की खासियत यह है कि इसमें नई पीढ़ी की भागीदारी को महत्व दिया जाता है. रामायण पाठ के माध्यम से कन्याओं को धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जाता है. इसके साथ ही नारी शिक्षा और संस्कारों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य भी इस आयोजन से जुड़ा बताया जाता है. वर्ष 1970 में शुरू हुई यह परंपरा समय के साथ मंदिर की विशिष्ट पहचान बन गई है.

धनबाद में पुलिस और अपराधी के बीच एनकाउंटर, आरोपी के पैर में लगी गोली

धनबाद, एजेंसी। हत्या के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई है. मुठभेड़ में शंकर डे उर्फ पंकु डे के पैर में गोली लगी है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी राम प्रताप प्रसाद की हत्या के मामले में संदिग्ध था. उसे मैथन से पकड़ा गया था.



कि अगस्त महीने में गोंदूडीह ओपी क्षेत्र में राम प्रताप प्रसाद की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी. उनकी पत्नी ने बताया था कि राम प्रताप दो दिनों से लापता हैं. शिकायत में शंकर

नाम के एक व्यक्ति पर संदेह बताया गया था. इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी. इसी बीच सूचना मिली कि संदिग्ध मैथन के पास घूम रहा है. पुलिस टीम ने मौके पर

पहुंचकर शंकर डे उर्फ पंकु डे को पकड़ लिया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने राम प्रताप प्रसाद की हत्या की बात स्वीकार की. इसके बाद हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के लिए उसे मनियाडीह ले जाया गया. पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान आरोपी ने सब-इंस्पेक्टर की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश करते हुए फायरिंग की. इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी. उसे तत्काल आरोपी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. ग्रामीण एसपी मो. याकूब के अनुसार, जून महीने में गोंदूडीह क्षेत्र में हुई लूट की एक घटना को राम प्रताप और शंकर ने मिलकर अंजाम दिया था.

दुर्गा पूजा में सुरक्षा और ट्रैफिक पर रांची पुलिस का फोकस, एसएसपी ने किया रूट निरीक्षण

रांची, एजेंसी। दुर्गा पूजा के दौरान राजधानी रांची में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया है. बुधवार की रात से रांची में आकाशंश दुर्गा पूजा पंडाल के पट खुल जाएंगे. पूजा पंडालों में दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए एसएसपी रांची राकेश रंजन ने मंगलवार की देर रात शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भौतिक निरीक्षण किया.

इस दौरान उन्होंने पूजा पंडालों के आसपास की यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, बैरिकेडिंग और जरूरत के अनुसार रूट डायवर्जन की संभावनाओं का जायजा लिया. साथ ही, संबंधित पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान शहर में उमड़ने वाली भीड़ को व्यवस्थित करना, श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाना और आम नागरिकों को जाम की समस्या से राहत दिलाना है. पूजा के दौरान प्रमुख पंडालों और उनके आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ जाती है. ऐसे में यातायात प्रबंधन में किसी तरह की लापरवाही से जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन पहले से ही आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन कर रहा है. एसएसपी के साथ रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह भी मौजूद थे.

निरीक्षण के दौरान पूजा पंडालों के



आसपास उपलब्ध पार्किंग स्थलों की स्थिति का जायजा लिया. वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा कराने और सड़कों पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़े होने से रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया. इसके अलावा, बैरिकेडिंग की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित रखा जा सके और भीड़ के दबाव को नियंत्रित करने में मदद मिले.

पूजा पंडालों के आसपास यातायात के दबाव को देखते हुए संभावित रूट डायवर्जन वाले स्थलों का भी निरीक्षण किया गया. जरूरत पड़ने पर वाहनों के मार्ग में बदलाव कर यातायात को सुचारू बनाए रखने की व्यवस्था की जाएगी. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूजा पंडालों की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं और सामान्य आवागमन

करने वाले लोगों को कम से कम परेशानी हो. दुर्गा पूजा के दौरान शाम और रात के समय पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है. ऐसे में भीड़ को नियंत्रित करना और विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती होती है. इसे ध्यान में रखते हुए निरीक्षण के दौरान उन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां भीड़ का दबाव बढ़ने से आवागमन प्रभावित हो सकता है.

पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पूजा पंडालों के आसपास की व्यवस्था का आकलन कर आवश्यक कदम उठाएं. श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने, वाहनों की व्यवस्थित परिचालन और भीड़ नियंत्रण के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया.

सारण में 25 अक्टूबर को उमा-महेश्वर पूजा, रामायण गायन में भिड़ंगे गोपालगंज के दो लोक गायक

सारण, एजेंसी। सारण जिले के एकमा प्रखंड के स्थानीय चट्टी स्थित श्री उमा-महेश्वर पूजन समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर बुधवार को बैजनाथ कुटीर में बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता अरुण कुमार मिश्र ने की. इसमें आगामी 25 अक्टूबर को होने वाले पारंपरिक पूजन समारोह की तैयारियों और कार्यक्रम की व्यवस्था पर चर्चा की गयी. बैठक में बताया गया कि प्रसिद्ध कथावाचक एवं शिक्षक पंडित सूर्य नारायण मिश्र उर्फ बच्चा बाबा ने वर्ष 1950 में श्री उमा-महेश्वर पूजन समारोह की स्थापना की थी. तब से यह पूजा क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा बनी हुई है. भोजपुरी सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता बच्चा बाबा के योगदान को याद करते हुए इस वर्ष भी समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है. समारोह का मुख्य आकर्षण द्विदलीय रामायण गायन प्रतिযোগिता होगी. इसमें गोपालगंज के लोक गायक मुन्नी लाल सबलिया और मनोज शर्मा के बीच गायन का मुकाबला होगा. आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में उत्साह है. आयोजकों को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे. बैठक में पूजन समारोह को सफल बनाने और कार्यक्रम की व्यवस्था सुचारु रखने को लेकर विचार-विमर्श किया गया. आयोजकों के अनुसार, 25 अक्टूबर को होने वाले समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. पारंपरिक पूजा के साथ रामायण गायन का मुकाबला आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगा.

सारण में माइक्रोसॉफ्ट के तहत शिक्षकों कोमिला AI प्रशिक्षण, तकनीक से आसान होगी पढ़ाई

सारण, एजेंसी। विद्यालयी शिक्षा में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय, एकमा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. माइक्रोसॉफ्ट एजुकेटर्स सशक्तीकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में एकमा प्रखंड के सभी मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों से एक-एक शिक्षक ने भाग लिया. प्रशिक्षण का नेतृत्व पिरामल फाउंडेशन के एआई दूत सुधांशु रंजन ने किया. कार्यक्रम में सारिका द्विवेदी ने मास्टर फेसिलिटैटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. वहीं, डॉ. कौशल कुमार पाण्डेय, डॉ. शशि भूषण शाही और रवीस कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों से चयनित मास्टर प्रशिक्षकों ने भी सहभागिता की. प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित शैक्षणिक उपकरणों के उपयोग, पाठ योजना तैयार करने, शिक्षण सामग्री विकसित करने और कक्षा में आधुनिक तकनीक को प्रभावी ढंग से शामिल करने की जानकारी दी गयी. व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से बताया गया कि एआई की मदद से शिक्षण कार्य को सरल, रोचक और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप कैसे बनाया जा सकता है. प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार, सुरक्षित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग पर विशेष जोर दिया गया. इसका उद्देश्य शिक्षकों की डिजिटल दक्षता बढ़ाने के साथ एआई से जुड़ी उनकी समझ विकसित करना और विद्यालयों में तकनीक आधारित शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है.

शौच के लिए निकले अधेड़ का पैर फिसलने से तालाब में डूबकर मौत, परिवार में मचा कोहराम

औराई , एजेंसी। औराई तालाब मौत: मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र अंतर्गत धरहरवा पंचायत में बुधवार की अहले सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है. धरहरवा स्थित पंचायत सरकार भवन के निकट बने तालाब में डूबने से 51 वर्षीय एक व्यक्ति की असमय मौत हो गई. मृतक की पहचान चैनपुर गांव निवासी स्वर्गीय खुं दाम से पुत्र श्याम बाबू दाम (51) के रूप में की गई है. इस आकस्मिक घटना के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है. घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए धरहरवा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद पूर्वं ने बताया कि श्याम बाबू दाम बुधवार की तड़के घर से शौच के लिए निकले थे. वे पंचायत सरकार भवन के समीप स्थित तालाब के किनारे पहुंचे थे कि अचानक उनका पैर फिसल गया. संतुलन बिगड़ने के कारण वे सीधे तालाब के गहरे पानी और खाई में चले गए. लहर पानी में चले जाने से वे खुद को संभाल नहीं सके और डूबने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

30 साल पहले जिस कांड ने पूरे देश को हिला दिया था, उस जहानाबाद नरसंहार के 9 आरोपी बरी

पटना, एजेंसी। बिहार के जहानाबाद जिले को दहला देने वाले 1996 के बहुचर्चित नरसंहार मामले में पटना हाईकोर्ट ने एक बहुत बड़ा निर्णय सुनाया है. हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को पूरी तरह रद्द कर दिया है, जिसमें आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी. हाईकोर्ट ने ठोस सबूतों और पुख्ता पहचान के अभाव में सभी 9 अपीलकर्ताओं को बरी कर दिया है. साथ ही अदालत ने डीजोयी को दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया. इस हाई-प्रोफाइल फैसले में हाईकोर्ट ने बिहार पुलिस की लचर कार्यशैली, सुस्त जांच और सबूत जुटाने में हुई गंभीर लापरवाहियों पर तीखे टिप्पणी की है. अदालत ने कहा कि घटना वीभत्स और दुखद थी, लेकिन शक कितना भी गहरा हो उसे सबूतों से साबित करना होता है. सिर्फ जांच से आरोपी को सजा नहीं दी सकती है. इसी के साथ कोर्ट ने 94 पन्ने का आदेश जारी करते हुए ट्रायल कोर्ट के आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर



दिया. यह मामला 8 और 9 अगस्त, 1996 की दरमियानी रात का है. जहानाबाद के करपी थाना क्षेत्र (वर्तमान अरवल जिला) के केयार आहर के पास एक झोपड़ी में सिंचाई के पानी के विवाद और आहर का बांध काटने से रोकने को लेकर पहरेदारी की जा रही थी. अभियोजन पक्ष के अनुसार, रात करीब 11:30 बजे 30-40 हथियारबंद लोग (जिन्हें मजदूरों-किसानों के उपवादी संगठन एमकेएसपी से जुड़ा बताया गया) वहां पहुंचे. इस अचानक हुए खूनी हमले में चार लोगों (भारत सिंह, मंगर सिंह, राम निवास सिंह और

नवलेश सिंह) की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि प्रमोद कुमार समेत अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. इस मामले में लंबी सुनवाई के बाद निचली अदालत ने 3 अप्रैल, 2023 को फैसला सुनाते हुए कई आरोपियों को दोषी करार दिया था और 12 अप्रैल, 2023 को उम्रकैद व भारी जुर्माने की सजा सुनाई थी. इस सजा के खिलाफ अप्रेद यादव, बिंदा यादव, मिथलेश यादव, चंद्रघोष, अजय यादव, रामकृष्ण यादव समेत अन्य कुल 9 अपीलकर्ताओं ने पटना हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दायर की थी.जरिस्टस राजीव रंजन प्रसाद और जस्टिस कुमार मनीष की खंडपीठ ने इस मामले को लंबी सुनवाई के बाद अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में इस बात पर जोर दिया कि भले ही घटना बेहद वीभत्स और दुखद थी, जिसमें चार लोगों की जान चली गई, लेकिन कानून के शासन में शक कितना भी गहरा हो, उसे पुख्ता कानूनी सबूतों से साबित करना अनिवार्य होता है. कोर्ट ने निम्नलिखित

बिहार

बेटी को खोने का गम बर्दाश्त नहीं कर सकी मां, डीएम के गले लगाकर फूट-फूटकर रोई



अपने आंसू नहीं रोक सकीं और वहां मौजूद हर अधिकारी मौन खड़ा रहा. ‘फूटी नाव थी, भोज था... मेरा सारा बच्चा खाने गया था. तीन लड़की, एक लड़का और एक ननद का लड़का था, सब चला गया. बस एक लड़का बचा है, अब मेरे पास कुछ नहीं बचा. यही आपके साथ होता तो कैसा लगाता मेरी तीनों लड़कियां चली गईं, सब चला गया...’ कलेजे के टुकड़े के लिए दर्द से कराहती मां को इन चीखते हुए सवालोंने ने वहां खड़े हर शख्स के कलेजे में गंा नदी में हुए नाव हादसे के, क्योंकि इस खौफनाक हादसे ने

सुबोधे कुमार बच्चों की जान बचाने के लिए हरसंभव कोशिश करते नजर आए. हादसे के बाद बच्चों को बचाकर बाहर निकालने के साथ ही उन्होंने उन्हें जीवन देने की कोशिश की. एसडीपीओ बच्चों की छ्क्रद्देने में जुटे रहे, ताकि उनकी सांसें लौट सकें. हादसे के इस दर्दनाक मंजर के बीच उनकी कोशिश मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बनी. बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए उनकी जद्दोजहद ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया.

वैशाली के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद पंचायत के रहने वाले 13 बच्चों की मौत हुई है. स्थानीय लोगों के मुताबिक जर्जर नाव पर सवार होकर 30 से 35 बच्चे भोज खाने जा रहे थे तभी बीच गंगा नदी में ये नाव फट गई जिसमें सभी बच्चे डूब गए. 7 बच्चों को रेस्क्यू कर लिया गया जबकि अन्य की तलाश में अभी भी प्रशासन की टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है. इस हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा जिला प्रशासन के खिलाफ फूट पड़ा है.

पत्नी की आत्महत्या मामले में पति को 10 साल की सजा, सास-ससुर को भी जेल

बगहा, एजेंसी। बिहार के बगहा सिविल कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. माधवेंद्र मिश्रा, चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (छष्ट-4) की अदालत ने इस मामले की गंभीरता को देखा. कोर्ट ने मुख्य आरोपी पति रंजीत कुमार को पूरी तरह दोषी मानते हुए 10 वर्ष की कठोर कारावास की सजा और एक लाख जुर्माने की सुनाई है. इस फैसले से न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ेगा.

सिविल कोर्ट ने केवल पति को ही नहीं, बल्कि इस अपराध में शामिल परिवार के अन्य सदस्यों को भी सख्त सजा दी है. कोर्ट ने मृतका की सास दिव्यांश्री देवी और ससुर मथुरा प्रसाद को संबंधित धाराओं में दोषी ठहराया है. अदालत ने दोनों को तीन-तीन साल के

मृतका की सास दिव्यांश्री देवी और ससुर मथुरा प्रसाद को संबंधित धाराओं में दोषी ठहराया है. अदालत ने दोनों को तीन-तीन साल के



कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है. जुर्माना न भरने पर दोनों की मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं.

2 लाख 48 हजार खाते में CM सम्राट चौधरी ने भेजे 112 करोड़ रुपये, आप भी अपना अकाउंट चेक करें

पटना, एजेंसी। बिहार में अगस्त महीने में अतिवृष्टि और अप्रत्याशित आई बाढ़ के फलस्वरूप फसल क्षति के लिए आज मुख्यमंत्री ने किसानों के अकाउंट में कृषि इनपुट अनुदान राशि भेजी. 2 लाख 48 हजार से ज्यादा प्रभावित किसानों के बैंक खातों में लगभग 112.52 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी के माध्यम से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भेजा. इस मौके पर सीएम सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी पीड़ित किसान इससे वंचित ना रह जाए. उन्होंने कहा कि 22 अक्टूबर के बाद एक ड्राइव फिर से चलाएँ. जो भी किसान खूट गए हैं उसे जोड़ें और उनको क्षति पूर्ति उपलब्ध कराएँ. कृषि विभाग और आपदा विभाग की भूमिका इसमें सबसे अधिक है. ''असिंचित फसल के क्षेत्र में साढ़ 8 हजार रुपया प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राशि अनुदान में दिया जाता है. सिंचित



फसल क्षेत्र के लिए लगभग 17 हजार रुपया प्रति हेक्टेयर दिया जाता है. बहुवर्षीय फसलों के लिए लगभग 22 हजार रुपया प्रति हेक्टेयर दिया जाता है. 4 लाख 57 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं. इसमें से 2 लाख 48 हजार लोगों को अनुदान दिया गया है

सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की हित में हमेशा काम करते रहे हैं, इसके लिए वह निर्देश भी देते हैं. इस दौरान सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी जिक्र किया.

साल 2017 में रामनगर थानाक्षेत्र में रंजीत कुमार की पत्नी ने दहेज प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी. इसको लेकर मायका पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी थी और ससुराल पक्ष पर आत्महत्या के लिए उकसाने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज हुआ था. इसी मामले में सुनवाई हुई. इस महत्वपूर्ण फैसले की विस्तृत जानकारी लोक अभियोजक जितेंद्र भारती द्वारा प्रदान की गई है. उन्होंने कोर्ट के इस कड़े रुख की सराहना की है. यह कानूनी कार्रवाई समाज में एक नज्ीर पेश करेगी. ऐसे मामलों में त्वरित न्याय मिलने से पीड़ित परिवारों को संबल मिलता है. इसके साथ ही समाज में एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत होती है, जो बेहद जरूरी है.

शौच के लिए निकले अधेड़ का पैर फिसलने से तालाब में डूबकर मौत, परिवार में मचा कोहराम

की राशि भेजी थी. पहले चरण में 15 सितंबर को 877190 बाढ़ पीड़ित परिवारों को 614.23 करोड़ रुपए की राशि मुख्यमंत्री ने भेजा था. दूसरे चरण में 12 अक्टूबर को 160201 बाढ़ प्रभावित परिवारों के बैंक खाते में 112.14 करोड़ की राशि भेजी थी. यानि अब तक कुल 726.17 करोड़ की राशि 10 लाख 37391 बाढ़ प्रभावित परिवारों को भेजी जा चुकी है. अब फसल नुकसान की राशि किसानों को दी जा रही है.

मुख्यमंत्री सचिवालय संवाद में इसके लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. जिसमें बिहार सरकार के दोनों मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र प्रसाद यादव के साथ कृषि विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा और अपराध प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी डीबीटी के माध्यम से यह राशि सीधे किसानों के अकाउंट में भेजे.

बिहार STF ने किया अपराधी का एनकाउंटर

मुख्य अपराधी समेत 3 गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना में अपराधियों और ख़ब्ब के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है. जबाबी फायरिंग में बदमाश झामू के पैर में गोली लगी है. पुलिस के मुताबिक पटना सिटी के आलमगंज इलाके का रहने वाला शुभम कई आपराधिक कांड में शामिल था जो कि फरार चल रहा था. गुप्त सूचना पर पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए पहुंची हुई थी तभी ये एनकाउंटर हुआ.आरोप है कि पुलिस को देखकर अपराधी शुभम उर्फ झामू ने फायरिंग शुरू कर दी. पुलिस ने भी जबाबी करवाई में फायरिंग की. पुलिस के मुठभेड़ में शुभम घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए ६क्रष्टा भेजा गया. पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी पिस्तौल और खोखा बरामद किया है. ख़स्र टीम जांच कर साथ्य जुटा रही है. घटना के संबंध में ग्रामीण एसपी कोमल मीणा ने बताया कि बिहार एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि कदमकुआं थाना क्षेत्र पटना कॉलेज में कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए इकट्ठा हुए हैं. उसी सूचना के आधार पर कार्रवाई के लिए पटना कॉलेज पहुंची तो वहां 5 अपराधी

एकत्रित थे, पुलिस को देखते ही भागने लगे, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को खदेड़ कर पकड़ा, जिनमें 3 भागने में सफल रहे जबकि दो को कष्ट और कारतूस के साथ पुलिस गिरफ्तार करने में सफलता मिली.

एक का नाम अंशु और दूसरे का नाम कृष है. जिसका पुलिस ने पीछा कर तीन अन्य अपराधी को पकड़ा. मुख्य अभियुक्त शुभम कुमार भागने के क्रम में पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसपर पुलिस ने जबाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, उसमें शुभम कुमार को पैर में गोली लगी और उसके साथ शामिल अन्य दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है.''- कोमल मीणा, एसपी ग्रामीण, पटना

ग्रामीण एसपी ने बताया कि शुभम के साथ आलोक और बंटी की भी गिरफ्तारी हुई है. शुभम कुमार पर 10 से 12 अपराधिक मामले पटना के विभिन्न थाना में दर्ज हैं. बिहार एसटीएफ की टीम पर शुभम कुमार ने फायरिंग कर दी. फतुहा थाना की पुलिस के सहयोग से आरोपी शुभाम को गिरफ्तार कर लिया गया है.

सीएम से सम्मान पाकर गदगद हुए ग्राम प्रहरी

बरेली , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित होकर ग्राम प्रहरियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़ी रहती है। मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 कर दिया गया है। गांवों में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर भी लोगों में भरोसा बढ़ा है। पुलिस लाइन में सीएम के हाथों 11 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया गया।

सात दिन के लिए बिलपुर क्रॉसिंग पर वाहनों का आवागमन बंद

बरेली , एजेंसी। फतेहगंज पूर्वी। कस्बे के दातागंज मार्ग पर स्थित बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 344 सी को अरम्भत कार्य के कारण मंगलवार सुबह से 19 अक्तूबर तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस कारण इस मार्ग से वाहनों का आवागमन नहीं हो सकेगा। इससे पहले 10 से 16 तारीख के बीच इस क्रॉसिंग को मरम्मत कार्य के लिए बंद किया जाना था, लेकिन किसी कारणवश इसको बंद नहीं किया जा सका था। हालांकि रेलवे विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार मंगलवार सुबह दस बजे से यह बंद सात दिन के लिए लागू हो गया। रेल पथ निरीक्षक मोहम्मद जैद रजा ने बताया कि रेल पथ सीनियर सेक्शन इंजीनियर शाहजहांपुर ने जारी पत्र में थाना पुलिस, आरपीएफ पुलिस सहित बिलपुर स्टेशन अधीक्षक को जानकारी दी है। इस दौरान लोग निवड़िया क्रॉसिंग संख्या 345, 346 सी से होकर आवागमन कर सकेंगे।

पेंसिल पैकिंग के नाम पर महिला से साइबर ठगी

बरेली , एजेंसी। पेंसिल पैकिंग का काम देने का झांसा देकर गांधीनगर कॉलोनी निवासी मंदीप कौर से 69,500 रुपये ठग लिए गए। पड़िता ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मंदीप कौर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने 11 सितंबर को फेसबुक पर पेंसिल पैकिंग के काम का एक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर पंकज नाम के व्यक्ति ने उनसे बात की। पंकज ने मंदीप कौर को हर महीने 30 हजार रुपये कमीशन देने का लालच दिया। 12 सितंबर को एक डिलीवरी घैन ने उनसे संपर्क किया और सामान देने के बदले भुगतान करने को कहा। आरोपी ने वयुआर कोड भेजकर मंदीप कौर से अलग-अलग खातों में कुल 69,500 रुपये ट्रांसफर करा लिए। रुपये भेजने के बावजूद उन्हें कोई सामान प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ।

विद्यार्थियों की मानसिक सेहत परखी

लखनऊ, एजेंसी। विद्यार्थियों की मानसिक सेहत और भावनात्मक स्थिति का आकलन करने के लिए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को मनोवैज्ञानिक परीक्षण शिविर लगाया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में तनाव, व्यक्तित्व, सामान्य मानसिक स्वास्थ्य और संवेगात्मक बुद्धिमत्ता की जांच की गई। कुलपति प्रो. अवध तनेजा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र विकास का अहम हिस्सा है। समय रहते उचित मार्गदर्शन लेने से तनाव प्रबंधन और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

नए वाहनों से शेरगढ़ में कूड़ा उठान होगा व्यवस्थित

बरेली , एजेंसी। नगर पंचायत में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत शेरगढ़ ने छह ई-रिक्शा, एक जेसीबी मशीन और एक टिपर वाहन की खरीद की है। इससे अब कस्बे में कूड़ा उठान और भी व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। कस्बे में मंगलवार को नगर पंचायत परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष बुद्धसेन मोर्य एवं अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष बुद्धसेन मोर्य ने कहा कि नगर पंचायत को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना नगर पंचायत की प्राथमिकता है।

सीएसए में किसान मेला 15 को, जुटेंगे 25 हजार किसान

कानपुर , एजेंसी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि्वि (सीएसए) में सशक्त किसान, आत्मनिर्भर भारत थीम पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन 15 अक्तूबर से होगा। इसमें जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब और बिहार समेत आठ राज्यों के करीब 25 हजार किसान हिस्सा लेंगे। मेले का शुभारंभ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही करेंगे। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि मेले में 150 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें 40 से अधिक स्टॉल सरकारी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के होंगे। यहां कृषि कल्याण योजनाओं, बागवानी, वानिकी, लैंडस्केपिंग और कृषि आधारित उद्योगों की जानकारी मिलेगी। मेले में खेती की लागत घटाने और संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने की आधुनिक तकनीकें भी बताई जाएंगी। सोलर ऊर्जा से चलने वाले ट्रैक्टर और श्वेसर, धान के पुआल के प्रबंधन की मशीनें, मशरूम उत्पादन, मोती की खेती, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, श्रीअन्न, विशिष्ट उत्पाद और कृषि आधारित स्टार्टअप आकर्षण होंगे। किसानों को एक से 40 किलो तक के पैकेट में बीज उपलब्ध कराने के लिए एकरब 10 हजार पैकेट तैयार किए गए हैं। 16 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर होने वाले आयोजन महिला किसानों को समर्पित रहेंगे। उद्घाटन सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक करेंगे। कृषि उद्यम स्थापित करने वाली चार महिला किसान अनुभव साझा करेंगी। महिला किसानों के लिए निशुल्क डाइट काउंसिलिंग भी होगी। समापन समारोह में कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख और सांसद रमेश अवस्थी मुख्य अतिथि होंगे।

सरकारी जमीन पर फर्जी एनओसी से पास कराया नक्शा, एडीए ने किया निरस्त; अफसरों-कर्मचारियों की जांच शुरू

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) ने धाकरान इलाके में नजूल विभाग के फर्जी पत्र के सहारे पास कराए गए भवन के नक्शे को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया के दौरान तैनात रहे अधिकारियों को भी प्राधिकरण ने चिह्नित कर जांच शुरू कर दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार नजूल विभाग ने अपने पत्र में दावा किया है कि उसकी ओर से सिर्फ एक ही पत्र जारी किया गया जिसमें संपत्ति के सरकारी भूमि होने का उल्लेख था। ऐसे में किसी फर्जी पत्र के आधार पर नक्शा पास किया जाना गलत है। विभाग के इस दावे के बाद प्राधिकरण को शुरुआती जांच में पता चला है कि नजूल विभाग का पत्र मिलने और आपत्ति के बावजूद एडीए अफसरों-बाबुओं के रैकेट ने नक्शे को मंजूरी दे दी। ऐसे में उस समय तैनात रहे इंजीनियरों, बाबुओं और



अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को चिह्नित किया जा रहा है। एडीए सचिव संजय कुमार ने बताया कि नक्शे को निरस्त

दर्ज होगी प्राथमिकी

गुड की मंडी में धोखाधड़ी कर नक्शा पास कराने और सरकारी जमीन पर निर्माण के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद अब धाकरान की जमीन के मामले में भी प्राधिकरण ने कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि विभाग के अफसर जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। इस बार नक्शा पास कराने वाले बिल्डर के अलावा मिलीभगत में शामिल रहे विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ भी प्राथमिकी की तैयारी चल रही है।

एक संपत्ति के लिए एक ही तारीख में दो अलग-अलग पत्रकों से एनओसी जारी करने के मामले का खुलासा किया था। खुद को जमीन का मालिक बताने वाले ने प्राधिकरण के एबीपास पोर्टल पर 4 जनवरी 2025 की तारीख वाली एनओसी अपलोड कर मानचित्र स्वीकृति के लिए आवेदन किया था।

उस समय तहसीलदार सदर और नजूल मुहर्निर की आख्या के आधार पर दावा किया गया कि भूमि नजूल की नहीं है, जिसके आधार पर एडीए ने नक्शा मंजूर कर दिया था। बाद में नजूल विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में स्पष्ट हुआ कि सर्वे शीट नंबर-107 मौजा-चक अक्वल शहर आगरा (सन 1929-30) के अनुसार यह जमीन नजूल भूखंड के अंतर्गत आती है और इसके लिए एनओसी दिया जाना संभव ही नहीं है। इसी के बाद से नजूल विभाग और प्राधिकरण मामले की जांच में जुटा है।

अब से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर नहीं लगेगा 0.4 प्रतिशत शुल्क, व्यापारियों का विरोध लाया रंग

आगरा, एजेंसी। यूपीआई से 2000 रुपये से अधिक लेनदेन पर सर्वेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क फिलहाल दिवाली तक टल गया है। 15 अक्तूबर से यह अब लागू नहीं होगा। इसे लेकर एक तरफ व्यापारियों ने 15 अक्तूबर को काला दिवस स्थगित कर दिया है। यूपीआई पर 0.4न एमडीआर शुल्क के विरोध में व्यापारी संगठन लामबंद थे। डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजे गए। आगरा व्यापार मंडल अध्यक्ष टीएन अग्रवाल ने कहा कि इस काले कानून को दिवाली के बाद भी लागू नहीं करना चाहिए। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष गिरांज अग्रवाल ने कहा कि यदि दोबारा शुल्क लागू

किया गया तो व्यापारी फिर विरोध के लिए लामबंद होंगे। संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश महिला मंत्री निधि अग्रवाल एवं मंडल अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने व्यापारियों की चिंताएं समझने के लिए पीएम और वित्त मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। फेडरेशन ऑफ उद्योग व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेश अग्रवाल और कार्यवाहक अध्यक्ष रवींद्र अग्रवाल ने कहा कि सरकार यदि यूपीआई भुगतान पर शुल्क लागू करेगी तो संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के महानगर अध्यक्ष नरेश पांडेय और कोषाध्यक्ष सुरेश लवानिया ने कहा कि यूपीआई पर शुल्क लगाने से छोटे कारोबार की रीढ़ टूट जाएगी।



सड़क पर बहा गंगाजल, घरों में पहुंच रहा इतना गंदा पानी; जिसमें से आ रही बदबू



आगरा, एजेंसी। ताजमहल के पास घरों में पेयजल पहुंचाने के लिए 147 करोड़ रुपये खर्च हो गए। फिर भी सीवर की तरह काला, बदबूदार गंदा पानी पहुंच रहा है। ताज के 500 मीटर दायरे में तांगा स्टैंड, दक्षिणी गेट और पाक टोला के पास घरों में मंगलवार को नल से गंदा जल निकला। इन्हीं घरों के पास ताजगंज में ही गुम्मत के नजदीक सीवर मैनहोल के पास पानी की लाइन टूटने से गंगाजल सड़क पर बहता रहा। जलकल विभाग ने बुधवार को दोनों जगह जांच कराई, जिसके बाद मरम्मत का काम शुरू किया गया है। ताजमहल के पास ताजगंज में मंगलवार को लोग पानी के लिए परेशान रहे। आगरा स्मार्ट सिटी के तहत तीन साल पहले 147 करोड़ रुपये खर्च करके 17,250 घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए थे। इनमें एमपी पुरा गुम्मत के पास ताजगंज में गंदे पानी की सप्लाई तीन दिनों से चल रही है। सीवर की तरह काला, बदबूदार, गंदा पानी नल से निकला तो लोगों ने शिकायत की। क्षेत्रीय निवासी रिजवानउद्दीन ने बताया कि स्मार्ट सिटी में अजब काम किया गया है। सीवर से होकर पानी की लाइनें निकाली गई हैं। गंगाजल की लाइन फट जाने से सीवर मैनहोल से साफ पानी निकला, जबकि घरों में गंदा सीवर पहुंच रहा है। पाक टोला, दक्षिणी गेट और कटरों में भी गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें आईं। दक्षिणी गेट निवासी पप्पू ने बताया कि आगरा स्मार्ट सिटी ने ही दोनों लाइनें बिछाई थीं, जिनमें घंटिया गुणवत्ता के कारण जलकल विभाग ने हैंडओवर लेने से ही इन्कार कर दिया था। इनकी खामियां लोगों को अब परेशान कर रही हैं। जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि सीवर लाइन से सटाकर ही पानी की लाइन डाली गई थी, जो क्षतिग्रस्त हुई तो इसका पानी सीवर चैंबर से होकर सड़क पर बहने लगा। इसकी जांच के लिए टीम भेजी गई। मरम्मत जारी है। लीकेज मिल गया है।

नाली के निर्माण में लगाई ऐसी सामग्री, चौंक गए निगम के इंजीनियर; तुरंत ही उखड़वाई सारी ईंटें

आगरा, एजेंसी। आगरा के टेढ़ी बगिया स्थित श्याम नगर में सड़क निर्माण कार्य के दौरान नाली बनाने में घंटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया। शिकायत पर नगर निगम ने जांच कराई तो निर्माण कार्य में खामियां सामने आईं। मंगलवार को नगर निगम के इंजीनियर ने नाली को उखड़वा दिया। ठेकेदार को निर्धारित मानकों के अनुरूप दोबारा नाली का निर्माण कराने के निर्देश दिए गए हैं। श्याम नगर में नगर निगम 9 लाख रुपये से सड़क बना रहा है। इसका निर्माण मै. खंडेलवाल पंड कंपनी कर रही है। क्षेत्र के लोगों ने नाली के निर्माण में मानकों की अनदेखी किए जाने की शिकायत नगर निगम प्रशासन से की थी। इस पर अवर अभियंता हरिओम को



जांच के लिए भेजा गया। उन्होंने निरीक्षण में नाली निर्माण में मानकों का उल्लंघन पाया। अवर अभियंता हरिओम ने बताया कि जांच में नाली निर्माण में मानकों का पालन नहीं किए जाने की जानकारी सामने

आई। ठेकेदार नाली का दोबारा निर्माण कराएगा। निर्माण कार्य शुरू होते ही गुणवत्ता पर पूरी नजर रखी जाएगी, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि नगर निगम के निर्माण

कार्यों में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य है। इसमें अनियमितता या लापरवाही सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इंजीनियरों से नियमित निरीक्षण के लिए कहा गया है।

सदर बाजार तक पहुंची ट्रेन, 3 किलोमीटर की डाउन लाइन पर हुआ सफल ट्रायल

आगरा, एजेंसी। आगरा के सदर बाजार स्टेशन तक मंगलवार को आगरा मेट्रो पहुंच गई। दूसरे कॉरिडोर पर डिपों एंट्री लाइन से सदर बाजार तक तीन किलोमीटर लंबी डाउन लाइन पर ट्रायल रन सफल रहा। इससे आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक प्रस्तावित कॉरिडोर पर काम आगे बढ़ा है। मौल रोड पर पहली बार मेट्रो गुजरती देखकर लोग उत्साहित नजर आए। यूपीएमआरसी के संयुक्त महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि फूल सैय्यद चौराहा स्थित डिपों से मेट्रो ट्रेन सदर बाजार स्टेशन तक चलाई गई। इसके बाद उसे



वापस डिपों लाया गया। इस दौरान परियोजना निदेशक अरविंद राय समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अप लाइन पर ट्रैक बिछाने का काम अंतिम चरण में है। पिछले सप्ताह मेट्रो संचालन के लिए ऊर्जा उपलब्ध कराने वाली थर्ड रेल का

काम भी पूरा हो गया था। शेष ट्रैक, ट्रैक्शन और सिग्नलिंग का काम पूरा होने के बाद अप लाइन पर ट्रायल रन होगा। यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने टीम और ठेकेदारों को बधाई दी। दूसरे कॉरिडोर में आगरा कैंट से आगरा कॉलेज तक प्राथमिकता वाला खंड चिह्नित

है। यहां स्टेशनों का निर्माण तेजी से चल रहा है। एमजी रोड से कालिंदी विहार तक भी सिविल कार्य जारी है। मेट्रो शुरू होने पर इस मार्ग के यात्रियों को आवागमन का एक और विकल्प मिलेगा।

छह दिसंबर को मायावती कर सकती हैं देशव्यापी बड़ी रैली चुनाव के पहले शक्ति प्रदर्शन करने की योजना

लखनऊ, एजेंसी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी से जुटी बसपा 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में शक्ति प्रदर्शन कर सकती है। बसपा में इसे लेकर सुगुणाहुट तेज होती जा रही है हालांकि इस बाबत अंतिम फैसला पार्टी अध्यक्ष मायावती लेंगी। सूत्रों के मुताबिक 6 दिसंबर को प्रस्तावित रैली को मायावती के साथ राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद भी संबोधित कर सकते हैं। दरअसल, 6 नवंबर को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की राजधानी स्थित रमाबाई आंबेडकर मैदान में रैली है। इसमें देश भर से उसके समर्थक जुटेंगे। इसके जवाब में बसपा भी शक्ति प्रदर्शन कर सकती है। चर्चा है कि बसपा विधानसभा चुनाव से पहले 20 लाख से अधिक समर्थकों



को जुटाने की तैयारी में है। बसपा इसी के साथ अपने चुनाव अभियान का औपचारिक रूप से आगाज भी करेगी। बता दें कि बीती 9 अक्तूबर को बसपा के संस्थापक कांशीराम के

परिनिर्वाण दिवस पर बसपा की रैली होने की संभावना जताई जा रही थी लेकिन बसपा सुप्रीमो ने केंद्रीय कैप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

त्योहारों में टप्पेबाजों से सतर्क रहें, आईटीएमएस से कर रही जागरूक पुलिस

गोरखपुर , एजेंसी। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ के बीच टप्पेबाजी और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लोगों को जागरूक कर रही है। इटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के जरिये चौराहों पर लगे पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम से लगातार अपील की जा रही है कि लोग बाजार में खरीदारी और ऑटो या ई-रिक्शा से सफर के दौरान अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को सतर्क किया जा रहा है। त्योहारों में खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ बढ़ने के कारण टप्पेबाजी और चोरी की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए पुलिस लोगों से पर्स, मोबाइल, आभूषण और अन्य कीमती सामान सुरक्षित रखने की अपील कर रही है। ऑटो और ई-रिक्शा में सफर के दौरान भी अपने सामान पर नजर रखने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, अनजान लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि के प्रति सतर्क रहने को कहा जा रहा है। तमिलनाडु के गिरोह को लेकर अलर्ट सूत्रों के मुताबिक, टप्पेबाजों का एक गिरोह तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली का बताया जा रहा है। त्योहारों के दौरान इस गिरोह की गतिविधियों की आशंका को देखते हुए पुलिस सतर्क है। सभी थानों को अलर्ट रहने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी के साथ लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त

समाचार

छठ पूजा की तैयारी शुरू

500 घाटों के विकास के लिए एमसीडी ने जारी किया फंड

नई दिल्ली, एजेंसी। छठ पर्व पर एमसीडी 500 घाट विकसित करने के लिए मदद करेगी। इसके लिए एमसीडी ने प्रत्येक वार्ड के लिए फंड आवंटन की मंजूरी दे दी है। एमसीडी के अनुसार इस फंड से पार्श्व अपने इलाके में घाट को विकसित करने



के लिए खोवाई, सफाई, टेंट व लाइटिंग आदि कार्यों के लिए कर सकेगे। एमसीडी ने दो फंड को मंजूरी – एमसीडी ने समय रहते फंड के आवंटन को मंजूर इसलिए कर दिया है कि ताकि पहले ही योजनाबद्ध तरीके से कार्य हो सके। एमसीडी के आदेश के अनुसार प्रत्येक पार्श्व को 40 हजार रुपये का फंड दिया जाएगा। जिसमें वह दो घाट में इसका उपयोग कर सकेगा। चूंकि निगम के 250 पार्श्व हैं इससे 500 घाटों को विकसित करने में इससे मदद मिलेगी।

पलाइंट में पावर बैंक को ले जाने पर लगी सख्त रोक, डीजीसीए का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल स्मार्टफोन के दौर में बिना पावर बैंक के सफर करना नामुमकिन सा हो गया है। लेकिन, अगर आप आने वाले दिनों में हवाई यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं, तो अपना बैग पैक करने से पहले यह खबर जरूर पढ़ लें।



विमानन नियामक संस्था डीजीसीए ने विमानों में एक खास मॉडल के पावर बैंक को ले जाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। अब आप इसे न तो अपने साथ केबिन बैग में ले जा सकते हैं और न ही चेक-इन लगेज (कार्गो) में।

जाफराबाद रेस्तरां में भीषण आग, लोगों ने पहली मंजिल से कूदकर बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। जाफराबाद इलाके में उधम फिश पाइंट नाम के रेस्तरां में आग लग गई। आग लगने से रेस्तरां में आए कई लोग व कर्मचारी फंस गए। जान बचाने के लिए करीब दस लोग पहली मंजिल से सड़क पर कूद गए। इसमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। गिरने की वजह से उन्हें मामूली चोट आई है। रेस्तरां में निकासी द्वार नहीं है। दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जाफराबाद रोड पर एक मंजिला मकान में उधम फिश पाइंट रेस्तरां बना है। मंगलवार रात इसमें आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की लोगों को बाहर भागने का रास्ता नहीं मिला। लोग व कर्मचारी पहली मंजिल से नीचे कूद गए।

रोहिणी में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिला पुलिस की एसटीएफ ने अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चार पिस्तौल, एक देसी कट्टा, 32 बोर का रिवाल्वर, 52 कारतूस और एक चाकू बरामद किया गया है। पुलिस ने हथियारों की आपूर्ति में इस्तेमाल फोर्ड एंडेवर और महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन कार भी जब्त की हैं। पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी- पुलिस के अनुसार, 17 सितंबर को केएनके मार्ग थाने में बीएएसए और आर्मस् एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में राहुल ग्रेवाल उर्फ पिंकू और आकाश को फोर्ड एंडेवर, दो पिस्तौल और सात कारतूस के साथ पकड़ा गया था।

ज्ञानेश कुमार पर नहीं हो सकती कोई एक्शन?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों से जुड़ी एक और याचिका सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। इसमें साल 2023 के एक कानून की धारा 16 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में ताजा याचिका छत्रकी तरफ से दाखिल की गई है, जिसपर अदालत सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर जारी बवाल के बीच सुप्रीम कोर्ट बड़ी सुनवाई की तैयारी कर रहा है। यह सुनवाई उस कानून को लेकर कर रहा है, जिसमें पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और आयुक्तों को कानूनी मामलों से राहत मिलती है। फिलहाल, अदालत ने इस संबंध में नोटिस जारी किया है और सरकार से जवाब मांगा है। साथ ही चुनाव आयोग से भी जवाब तलब किया गया है। सुप्रीम 2023 के एक कानून के उस प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया, जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों को पूरा करने के दौरान किए गए कुछ कार्यों के लिए छूट प्रदान करता है।



किस कानून पर है सवाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बाग्वी और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस की याचिका पर उनका जवाब मांगा है।

सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ पोस्ट को लेकर याचिका दायर

राहुल गांधी-अखिलेश यादव का नाम भी शामिल



केरल कांग्रेस की पोस्ट में क्या कहा गया था?

केरल कांग्रेस के एक्स हैंडल से 12 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को संबोधित करते हुए पोस्ट किया गया था, प्रिय सूर्यकांत, अगर कानून-व्यवस्था आपका विषय नहीं है, तो अभी इस्तीफा दे दीजिए। हम आपका विकल्प ढूँढ लेंगे, जो इसे संभाल सके। चिका में कहा गया है कि पोस्ट में मुख्य न्यायाधीश को उनके संवैधानिक पद के सम्मान के अनुरूप संबोधित नहीं किया गया और उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए इस्तीफे की मांग की गई। याचिका के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश ने अदालत के बाहर न्यायिक विचाराधीन मामलों पर चर्चा करने से इनकार किया था। इसके बावजूद इस तरह की पोस्ट के जरिए उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

अनुरोध किया गया है कि लंबित मामलों के संबंध में किसी न्यायाधीश या मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाकर राजनीतिक दलों की ओर से चलाए जाने वाले सार्वजनिक अभियानों पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, यह याचिका केरल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से 12 अक्टूबर को किए गए एक पोस्ट के बाद दाखिल की गई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस पोस्ट के जरिए पद पर रहते हुए मुख्य न्यायाधीश पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

आशुतोष रांका को जन्मदिन के दिन भेजा जेल



दिन ही न्यायिक हिरासत की सजा मिली है। उनके साथ सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास को भी उतनी ही अवधि के लिए जेल भेज दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

सीजेपी के नेता आजिंक्य शिंदे के मुताबिक, सीजेपी के कार्यकर्ता जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हुए थे। उन्होंने केवल भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए। लेकिन, दिल्ली पुलिस ने इसे अनधिकृत और नियमों के खिलाफ मानते हुए कड़ी कार्रवाई की। इस प्रदर्शन के चलते आशुतोष रांका और सौरव दास को गिरफ्तार कर पांच दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

पहाड़ों के बीच बनी ब्रा की अनोखी दीवार, मीलों तक टंगे हैं पर सैंकड़ों ब्रा, पर्यटक भी छोड़ जाते हैं अपनी निशानी



बेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की

खुबसूरत वादियों के बीच एक ऐसी जगह है, जो अपने अनोखे नजारे के कारण दुनियाभर के पर्यटकों का ध्यान खींच रही है। यहां सड़क किनारे बनी करीब 40 मीटर लंबी बाड़ पर सैंकड़ों ब्रा टंगी हुई हैं। कोई इन्हें देखकर हैरान रह जाता है, तो कोई तस्वीरें खिंचवाने के लिए रुक जाता है। कई पर्यटक तो अपनी ब्रा भी इस बाड़ पर टांककर इस अनोखी परंपरा का हिस्सा बन जाते हैं। इस जगह को 'ब्राड्रीन' के नाम से जाना जाता है। न्यूजीलैंड की काड्रीना घाटी में स्थित यह जगह क्रीस्टाउन और वानाका के बीच के खूबसूरत मार्ग पर पड़ती है। चारों ओर पहाड़, हरियाली और लैवेंडर के खेतों से घिरे इस क्षेत्र में ब्रा से ढकी बाड़ एक अनपेक्षित पर्यटन आकर्षण बन गई है। सोशल मीडिया पर

इसके वीडियो और तस्वीरें भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। हाल ही में एक यात्रा वीडियो बनाने वाली महिला यहां पहुंची और बाड़ पर टंगी सैंकड़ों ब्रा देखकर हैरान रह गई। उसने इस अनोखी परंपरा में शामिल होने का फैसला किया और अपनी ब्रा भी बाड़ पर टांग दी।

चार महिलाओं ने शुरू की थी

अनोखी परंपरा: इस बाड़ की कहानी वर्ष 1998 के क्रिसमस और 1999 के नए साल के बीच शुरू होने की बात कही जाती है। माना जाता है कि चार अज्ञात महिलाओं ने काड्रीना घाटी की सड़क के किनारे बनी बाड़ पर अपनी ब्रा टांग दी थीं।उन महिलाओं की पहचान कभी सामने नहीं आई। स्थानीय लोगों ने अनुमान लगाया कि वे काड्रीना होटल में मौज-मस्ती करने के बाद वहां से गुजरी होंगी और अपनी निशानी के तौर पर ब्रा

छोड़ गई होंगी।शुरुआत में यह एक छोटी-सी घटना थी, लेकिन बाद में दूसरे लोग भी ऐसा करने लगे। धीरे-धीरे बाड़ पर अलग-अलग रंग, आकार और डिजाइन की ब्रा जमा होने लगीं। देखते ही देखते यह जगह एक अनोखे पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध हो गई।

1500 ब्रा हटाई गईं, फिर भी नहीं रुकी परंपरा: इस अनोखी बाड़ को लेकर स्थानीय लोगों के बीच मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों ने इसका विरोध किया, जबकि सड़क के पास होने के कारण वाहन चालकों का ध्यान भटकने और यातायात सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं जताई गईं। वर्ष 2006 में स्थानीय परिषद ने बाड़ से लगभग 1,500 ब्रा हटाने का आदेश दिया। हालांकि, इसके समर्थकों ने दोबारा ब्रा टांगना शुरू कर दिया और कुछ समय बाद बाड़ फिर से भरने लगी। ब्रा हटाने और दोबारा टांगने का यह सिलसिला कई वर्षों तक चलता रहा। नवंबर 2014 में इस विवाद का एक और बड़ा दौर आया। इसके बाद ब्रा से ढकी बाड़ को मुख्य राजमार्ग से हटाकर 'द काड्रीना' घुड़सवारी एवं चार पहिया वाहन गतिविधि केंद्र और काड्रीना डिस्टिलरी के प्रवेश मार्ग के पास स्थानांतरित कर दिया गया।

जापान में 30 टन वजनी और 160 मीटर लंबी रस्सी खींचने की होड़, 15वीं सदी से चली आ रही परंपरा में जुटे हजारों लोग

टोक्यो ,एजेंसी। जापान के नाहा में पारंपरिक ग्रेट टग-ऑफ-वॉर प्रतियोगिता में हजारों लोगों ने 160 मीटर लंबी और 30 टन वजनी रस्सी खींची।

15वीं सदी से चली आ रही परंपरा: यह परंपरा 15वीं सदी से चली आ रही है। लोग अच्छी फसल, सेहत और संतान सुख की कामना के लिए जुटते थे उत्सव में पूर्व और पश्चिम की टीमें मुकाबला करती थीं।

रस्सी को 5 मीटर खींचना या 30 मिनट में दूसरी टीम से ज्यादा दूरी तक खींचने पर जीत होती है। रस्सी के छोटे हिस्से काटकर घर ले जाना भी परंपरा है। इस साल करीब 10 मिनट तक ये मुकाबला चला, लेकिन मैच ड्रॉ हो गया।

अमूर्त लोक सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा: सेंडाई ओत्सुनाहिकी नाम के इस आयोजन की शुरुआत ससुमा (जो अब कागोशिमा प्रान्त है) के एक योद्धा शिमाजु योशिहिरो ने सेकिगाहारा की लड़ाई के लिए सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के मकसद से की थी।

बुलिंग: बुरे दौर ने स्कूल में कर दिया था अलग-थलग

अब दूसरों को लड़ना सिखा रही 15 वर्षीय छात्रा

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कई किशोरों के लिए स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं है। यह वह स्थान है जहां वे दोस्ती बनाते हैं, खुद को पहचानते हैं और यह समझना शुरू करते हैं कि वे कहाँ से तात्कुक रखते हैं। लेकिन जब उस दायरे में बुलिंग (उत्पीड़न) प्रवेश करती है, तो ये बच्चे के स्कूल के अनुभव से कहीं अधिक को प्रभावित कर सकती है। यह उनके आत्मविश्वास को हिला सकती है, उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है और उन्हें अलग-थलग महसूस करा सकती है, तब भी जब वे लोगों से घिरे हों। कैलिफोर्निया की 15 वर्षीय आन्या मुखर्जी के लिए यह



सिर्फ एक संभावना नहीं थी। यह एक ऐसा अनुभव था जिससे वह खुद गुजरी थीं। आन्या खुद संभली और अब अन्य किशोरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। उसने बाय

योरसेल्फ फ्लावर्स बनाया, जो मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और युवा लोगों को उनकी भलाई के बारे में बातचीत में शामिल करने पर केंद्रित एक किशोर-नेतृत्व वाला गैर-लाभकारी संगठन है।

बच्चों के साथ खड़ा होना पड़ेगा: जब बच्चे किसी कठिन अनुभव को साझा करते हैं, तो वयस्क अनायास ही उसे ठीक करने का प्रयास कर सकते हैं। वे उन्हें अन्य बच्चों को नजरअंदाज करने, अपने लिए खड़े होने या अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कह सकते हैं।

स्कूलों में उत्पीड़न से उबरने के लिए

बांटे किट: आन्या की पहलों में से एक है 'ब्लूम बॉक्स' का वितरण, जो छोटे मानसिक स्वास्थ्य टूलकिट हैं जिनमें हर्बल चाय, मोमबत्तियाँ, सकारात्मक बातें, मिनी जर्नल्स, फेंस मार्क और सहायता संसाधनों की एक सूची जैसी वस्तुएं शामिल हैं। आन्या ने कहा कि संगठन ने इस क्षेत्र के स्कूलों में लगभग 500 बॉक्स वितरित किए हैं। वह किशोरों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं को आयोजित करने में भी मदद करती है और उन्होंने एक पॉडकास्ट शुरू किया है।

लगता था बुलिंग कभी खत्म नहीं होगी, पर हड़: पीपल पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में, आन्या ने याद किया कि जिस अवधि में उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा था, उस दौरान वह कितना अकेलापन महसूस करती

थीं। उन्होंने कहा, जब यह मेरे साथ हुआ, तो मैं खुद को बहुत अलग-थलग महसूस करती थी। मुझे नहीं लगता था कि मेरा कोई दोस्त बनेगा और मुझे नहीं लगता था कि यह कभी खत्म होगा... लेकिन यह खत्म हुआ।

माता-पिता के लिए भी सबक: उनका अनुभव माता-पिता को एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है, बच्चे हमेशा वयस्कों को यह नहीं बता सकते कि वे किस दौर से गुजर रहे हैं, और बुलिंग के प्रभाव तुरंत दिखाई देने वाली चीजों से कहीं आगे तक जा सकते हैं। पीपल के अनुसार, आन्या को अपने शुरुआती हाई स्कूल के वर्षों में अफवाहों, उनके और उनके परिवार के बारे में झूठी कहानियों, उत्पीड़न और कभी-कभार पीछा किए जाने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा था।

संपादकीय

गाली देने की आदत छुड़ाने का अद्भुत प्रयास

लगभग छह साल पहले, हरियाणा में सिरसा जिले के गांव माधोसिंधाना में एक दुकान में गाली देकर डिस्पोजल मांगने वाले युवक की हत्या कर दी गई थी. अब उसी सिरसा और आसपास के क्षेत्र में गाली देने की लोगों की आदत छुड़ाने के लिए ‘गाली बंद घर’ नामक एक अभिनव अभियान चलाया जा रहा है. सामाजिक कार्यकर्ता और ‘सेन्फ़ी विद डॉटर’ फाउंडेशन के संस्थापक सुनील जागलान द्वारा शुरू की गई इस पहल से अब तक दो हजार लड़कियां जुड़ चुकी हैं. वे एक चार्ट बनाकर अपने घर के सभी सदस्यों का नाम दर्ज करती हैं और जो सदस्य दिनभर में जितनी बार गाली देता है, उसके नाम के आगे उस दिन वह आंकड़ा दर्ज करती हैं. इसका असर यह हुआ है कि इलाके में लोगों द्वारा गालियों के प्रयोग में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है. गांव बीबीपुर के

सरपंच रह चुके जागलान पिछले 12 वर्षों से यह मुहिम चला रहे हैं, जिसकी प्रशंसा ब्रिटेन का अखबार ‘द गार्जियन’ भी कर चुका है. बिना किसी जोर-जबर्दस्ती के, सिर्फ आईना दिखाकर लोगों की गाली देने की आदत छुड़ाने का यह प्रयास अद्भुत है. दरअसल कोई भी नहीं चाहता कि वह बदसूरत नजर आए. दिक्कत यह है कि हमें खुद अपना चेहरा दिखाई नहीं देता, जिससे अपनी बदसूरती का हमें पता नहीं चल पाता. अपना बाहरी चेहरा तो हम आईना देखकर संवार लेते हैं लेकिन भीतर की कुरूपता या कमियां कैसे नजर आए?

दुनिया के कई महापुरुष इसीलिए नियमित रूप से डायरी लिखते रहे हैं. गांधीजी के लिए डायरी आत्म-शुद्धि, सत्य के प्रयोगों को दर्ज करने और अपने विचारों को स्पष्ट करने का माध्यम थी,



जबकि लियो टॉलस्टॉय डायरी में अपने नैतिक विचारों, आत्म-आलोचना और कहानियों के विचारों को नोट करते थे. बेंजामिन फ्रैंकलिन रोज सुबह खुद से पूछते हुए डायरी में लिखते थे, ‘आज

में क्या अच्छा करूंगा?’ और रात को पूछते थे, ‘आज मैंने क्या अच्छा किया?’ दरअसल जब हम कोई भी गलती करते हैं तो तत्काल हमें अपराधबोध होता है, लेकिन अगर उसका कोई लेखा-जोखा न रखें तो धीरे-धीरे अपराधबोध खत्म हो जाता है और वही गलती बार-बार होने लगती है. इसका सर्वश्रेष्ठ उपाय तो यही है कि हम जब भी पॉकेट डायरी रखें और जब भी हमसे कोई गलती हो तो उसे नोट कर लें, लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों के कारण कई बार यह संभव नहीं हो पाता. इसलिए चौबीस घंटे में एक बार अर्थात दिन के किसी भी नियत समय पर हम अपने दिन भर के क्रिया-कलापों पर विहंगम दृष्टि डालकर अपनी कमियों को नोट कर सकते हैं. खासकर रात को सोने के पहले या सुबह का समय इसके लिए सबसे मुफीद रहता है. भीतर की

कमियों को जानने का दूसरा तरीका है अपनी आलोचना को प्रोत्साहित करना. कबीरदास जी ने इसीलिए कहा है ‘निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय।’ बिन पानी साबुन बिना, निरमल करे सुभाय।।’ दुर्भाग्य से हम सबसे ज्यादा क्रुद्ध अपनी आलोचना या निंदा से ही होते हैं. दिग्भ्रमित होने का सबसे ज्यादा खतरा प्रशंसा में होता है, फिर भी हम उसे ही सर्वाधिक पसंद करते हैं. जरूरी नहीं कि सारी निंदा या आलोचना सार्थक ही हो. सोना ढूंढ़ने वालों को भी मिट्टी के विशाल ढेर को खगलाना पड़ता है, लेकिन सैकड़ों टन मिट्टी में सोने के कुछकण भी मिल जाएं तो उनकी मेहनत सार्थक हो जाती है. इसी तरह निंदा या आलोचना भले ही नब्बे प्रतिशत झूठी हो, लेकिन हमारी कमियों के बारे में उसमें दस प्रतिशत भी सच्चाई हो तो हमें अपने निंदकों का आभारी होना चाहिए.

देवियों के गुणों को आत्मसात करने का पर्व

नौदं कौर छाबड़ा

नवरात्रि पर विशेष रूप से अपने घरों में लोग देवी मां की स्थापना करके नौ दिनों तक मां की आराधना, जागरण, उपास के साथ श्रद्धा और विश्वास से पूजा करते हैं. पहले दिन कलश स्थापना की जाती है अर्थात परमात्मा बुद्धि में ज्ञान का कलश रखते हैं जिससे ज्ञान का प्रकाश जीवन में आ जाता है. नौ दिनों तक ज्योति जलाई जाती है यानी ज्ञान का घृत जब आत्मा की ज्योति में पड़ता है तो अखंड आत्मज्योति जागृत हो जाती है. व्रत का अर्थ है जीवन में दृढ़ सकल्प. इससे मनोबल में वृद्धि तथा अनुशासन आ जाता है. अष्टमी के दिन कन्या पूजन किया जाता है और कन्याओं को भोजन खिलाकर उपहार दिए जाते हैं. कन्या पूजन का अर्थ है कन्याओं का सम्मान करना. नारी पूजनीय होने के साथ ही शक्ति व ज्ञान का भंडार भी है. इन नौ दिनों में जिन देवियों की पूजा की जाती है वे हैं- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कालायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री. इन नौ देवियों ने हमारे जीवन में एक सकारात्मक ऊर्जा भरी. आज जब हम अपने घरों में धी के दीपक जलाकर देवियों की आरती पूजा करते हैं तो सोचना होगा कि इन देवियों ने ऐसा क्या किया है जो उनकी पूजा की जाती है. जितनी भी देवियां है उनके अधिकांश मंदिर पहाड़ों पर हैं. ऊपर पहाड़ों पर बैठकर तपस्या करके उन्होंने अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाया. वे केवल पहाड़ों पर नहीं बैठी बल्कि उन्होंने अपनी स्वस्थिति को ऊंचा बनाया. देवियों के हाथों में जितने शस्त्र तलवार आदि दिखाए जाते हैं वह सभी बुराइयों, विकारों को खत्म करने के प्रतीक हैं. साथ ही सभी देवियों की दो से अधिक भुजाएं दिखाई जाती हैं जो कि उनमें असीमित शक्ति की प्रतीक हैं. मां दुर्गा की सवारी शेर को दिखाया जाता है जो कि निर्भयता को दर्शाता है. आज मनुष्य जीवन में इतने तनाव, कठिनाइयां, परेशानियां, समस्याएं, नकारात्मकता है कि वह जीवन में खुशी, सुख महसूस ही नहीं कर पाता. वह भूल चुका है कि ईश्वर ने उसे सभी शक्तियां दी हैं लेकिन वह अपने आप को निर्बल महसूस करता है. जीवन में जिन शक्तियों की जरूरत होती है वे हैं समाने की शक्ति, समेटने की शक्ति, सहनशक्ति, परखने की शक्ति, निर्णय लेने की शक्ति, सामना करने की शक्ति और सहयोग की शक्ति - जो सभी देवियों के पास भरपूर थी. आज हम उनकी पूजा करते समय इन शक्तियों का आह्वान करते हैं.

आज का कार्टून

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक्शन शुरू. केरल में प्रस्ताव पास जिनके चुनाव आयुक्त रहते सीएम बने, धांधली थी तो पहले इस्तीफा देते!!

तीसरा चरण संघर्ष का है। तब आंदोलन केवल यह नहीं कहेगा कि ‘सीईसी इस्तीफा दो’, बल्कि यह भी कहेगा कि ‘सीईसी की नियुक्ति की प्रक्रिया बदलो।’ यही वह बिंदु होगा जहां आंदोलन व्यक्ति से संस्था की ओर बढ़ेगा। भारत में आंदोलनों की एक कमजोरी यह रही है कि वे अवसर किसी एक चेहरे के आसपास केंद्रित हो जाते हैं। लोकप्रिय चेहरा भीड़ जुटा सकता है, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन किसी एक व्यक्ति के भरोसे नहीं हो सकता। लोकतंत्र को केवल नेताओं की ईमानदारी पर निर्भर नहीं किया जा सकता। मजबूत लोकतंत्र वह है जिसमें संस्थाएं इतनी मजबूत हों कि व्यक्ति बदलने से उनके मूल चरित्र में बदलाव न आए।लेकिन बड़ा सवाल होगा कि युवाओं के आंदोलन के पास इस रैली के बाद का कार्यक्रम क्या है। क्या देश के अलग-अलग हिस्सों में संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को समझने के लिए नागरिक प्रशिक्षण होगा? क्या चुनावी संस्थाओं में सुधार का वैकल्पिक मॉडल तैयार होगा? क्या विशेषज्ञों, वकीलों, शिक्षकों, प्रक्रारों और युवाओं को जोड़कर संस्थागत सुधार का मौसौदा तैयार किया जाएगा? क्या राजनीतिक दलों से लिखित प्रतिबद्धता ली जाएगी कि सत्ता में आने पर वे इन सुधारों को लागू करेंगे? अगर ऐसा होता है तो यह एक बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन की शुरुआत हो सकती है।

अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे नेतन्याहू

जैसे-जैसे इजराइल में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा चर्चा के केंद्र में बना हुआ है. इजराइली लोग 7 अक्टूबर, 2023 की घटना को याद कर रहे हैं—वह दिन जब हम्मास ने हमला किया था जिसमें 1,200 इजराइली मारे गए थे.दक्षिणपंथी लिक्वुड पार्टी और अति-दक्षिणपंथी यहूदी पार्टियों का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में इजराइल की सुरक्षा के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं.

पारसा वेंकटेश्वर राव जूनियर

इजराइली नागरिक इजराइल की संसद, ‘नेसेट’ के सभी 120 सदस्यों को चुनेंगे.नेतन्याहू खुद को ऐसे एकमात्र नेता के तौर पर पेश करते हैं जो इजराइल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं और जिन्होंने हम्मास और ईरान के खिलाफ सफल युद्ध लड़ा है.बेशक, इस दावे में एक विरोधाभास भी है क्योंकि कई इजराइली विशेषज्ञ, जिनमें सेना के रिटायर्ड जनरल और अधिकारी शामिल हैं, इसी मुद्दे पर नेतन्याहू की आलोचना करते हैं. उनका मानना ​​है कि सात अक्टूबर को हम्मास का हमला सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी विफलता थी. उनके अनुसार गाजा में हम्मास के खिलाफ इजराइल ने जो युद्ध लड़ा, उससे हम्मास का पूरी तरह से सफाया नहीं हो पाया. पर नेतन्याहू ने कुछ ऐसा ही वादा किया था. असल में, यह चुनाव नेतन्याहू की सैन्यवादी सोच पर एक तरह का जनमत संग्रह (रेफरेंडम) बनता जा रहा है. उनकी सोच यह है कि इजराइल अपनी सैन्य ताकत से किसी भी दुश्मन को हरा सकता है और इजराइल की नीतियों में कूटनीति (डिप्लोमेसी) की कोई जगह नहीं है. फिर भी, गाजा में सैन्य अभियानों के बाद इजराइल का अलग-थलग पड़ना—जिसे संयुक्त राष्ट्र ने नरसंहार (जेनोसाइड) करार दिया है—नेतन्याहू के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े करता है. पिछले

साल सितंबर में, संयुक्त राष्ट्र के ‘ऑक्यूपाइड फिलिस्तीनी टेरिटरी’ (जिसमें पूर्वी यरूशलेम भी शामिल है) और इजराइल के लिए बनी स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग ने कहा था कि इजराइल ने गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार किया है. इजराइल के अंदर ही आलोचकों का मानना ​​है कि गाजा में इजराइल की लड़ाई के नतीजे से इजराइल की सुरक्षा पक्की नहीं हुई है, और हम्मास इजराइल के हमले के बावजूद बच निकला है. इससे भी अहम बात यह है कि इजराइली लोग उस सुरक्षा चूक की राष्ट्रीय जांच की मांग कर रहे हैं जिसकी वजह से हम्मास का हमला हो पाया—जिसे कई इजराइली एक आक्रमण मानते हैं.

इजराइली, खासकर वे जिनके परिवार के सदस्य मारे गए या जिन्हें हम्मास ने अगवा कर लिया, सुरक्षा में हुई इस बड़ी चूक के लिए जवाबदेही और स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं. नेतन्याहू अब मुश्किल स्थिति में हैं. सात अक्टूबर की घटना की जांच की मांग को टालते हुए, वे खुद को ऐसे नेता के तौर पर पेश करते हैं

जिसने गाजा में हम्मास के खिलाफ इजराइल को जीत दिलाई—एक ऐसा दावा जिस पर



इजराइली, विशेषज्ञ और आम नागरिक सवाल उठाते हैं. इजराइली डिफेंस फोर्सज के पूर्व प्रमुख गदी आइजेनकोट, जो 2022 में राजनीति में आए थे, ‘यशाार’ पार्टी का नेतृत्व करते हैं और प्रधानमंत्री के तौर पर नेतन्याहू की जगह लेना चाहते हैं. उन्होंने ‘टाइम्स ऑफ इजराइल’ को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि नेतन्याहू ‘इजराइल की यहूदी आबादी के बुनियादी डरों का फायदा उठाते हैं.’ उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर के बाद

ये डर और बढ़ गए. आइजेनकोट, जिन्होंने सात अक्टूबर के बाद गाजा में हुई लड़ाई में अपने 25 साल के बेटे और सैनिक गैल मीर आइजेनकोट को खो दिया था, उनका कहना है कि नेतन्याहू ने इस चुनाव में डर का फायदा उठाया है और इजराइल को गलत दिशा में ले जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि इजराइल को ‘उन्हें डर और झूठ का वह कल्चर बनाए नहीं रखने देना चाहिए जो उन्होंने पैदा किया है.’

आइजेनकोट नेतन्याहू की कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं और उन्हें इस बात की अंदरूनी जानकारी है कि नेतन्याहू ने संकट की कैसे संभाला, इजराइल की

मुख्यधारा की मीडिया और विपक्ष का एक बड़ा हिस्सा इस बात से नाराज है कि नेतन्याहू ने सात अक्टूबर की सुरक्षा चूक की जांच की मांग को टाल दिया है.

कई लोगों का मानना ​​है कि 1948 में इजराइल के बनने के बाद से वह इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा चूक थी. ‘अक्टूबर कार्सिल’ - जिसमें 7 अक्टूबर को मारे गए लोगों के परिवार शामिल हैं - ने हमले की पहली

बरसी पर कहा कि वे जवाबदेही चाहते हैं. उन्होंने कहा, ‘हमारे लिए, आने वाला चुनाव अभियान भी इसी सवाल पर केंद्रित होगा. क्या इजराइल राज्य इस विफलता की जांच करेगा, उससे सीखेगा और सुधार करेगा, या अपने इतिहास के सबसे बड़े सवालों को बिना जवाब के छोड़ देगा?’ इजराइल के अखबार ‘होरेट्ज’ के मिलिट्री एनालिस्ट अमोस हारेले ने माना कि इजराइली डिफेंस फोर्सज और शिन बेट (खुफिया एजेंसी) इस बात के लिए जिम्मेदारी से बच नहीं सकते कि उन्होंने हम्मास की उस क्षमता को कम करके आंका जिससे उसने 7 अक्टूबर को जबर्दस्त हमला किया, और जूनियर अधिकारियों की चेतावनियों को नजरअंदाज किया. हालांकि, उनका मानना ​​है कि इसकी मुख्य जिम्मेदारी नेतन्याहू की है. उनका तर्क है, ‘इस विफलता के लिए नेतन्याहू की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है. ऐसा इसलिए है क्योंकि 7 अक्टूबर से पहले के साढ़े 14 वर्षों में से 13 साल तक वे प्रधानमंत्री रहे और वेस्ट बैंक और गाजा के मामलों में उनकी ‘बांटी और राज करी’ की नीति भी इसकी एक वजह है. ‘ इसका मतलब यह है कि नेतन्याहू वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी अथॉरिटी के प्रति संखुत थे और गाजा में सत्ता में मौजूद हम्मास के प्रति नरम थे.27 अक्टूबर का चुनाव 7 अक्टूबर की घटनाओं के साथ में लड़ा जाएगा,

संक्षिप्त

समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा



रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 123 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन



शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान शार्ड होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्लजारी जोसेफ को रूटीन मैडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सख्ती से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैपवेल ने हैमरिट्रग इंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।



राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोर्टिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था। इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाटक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाटक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकड़ा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने

का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना

उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में और हमने इसे बहुत मिस किया है।

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता



गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ

है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

- गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाटक
- डिफेंडर : संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकड़ा
- मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हादिक सिंह, मनप्रीत सिंह
- फॉरवर्ड : शिलानंद लकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह
- रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी: विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार



और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन

स्टावांगर । बेयर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हेंगिन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ



और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई। मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट कोमिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्यूनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई ब्राज़ोव के डिफेंडरकेट शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैसेरो ने सुझबुझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया।



दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हंसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए अस्सिट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अंदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।



तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हार्ड प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्ज, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन-टू हुआ। हैवर्ट्ज ने गेंद साका को लौटाई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।

नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका